मेरी गटीला?

लिसा नोरोन्हा और अंजोरा नोरोन्हा

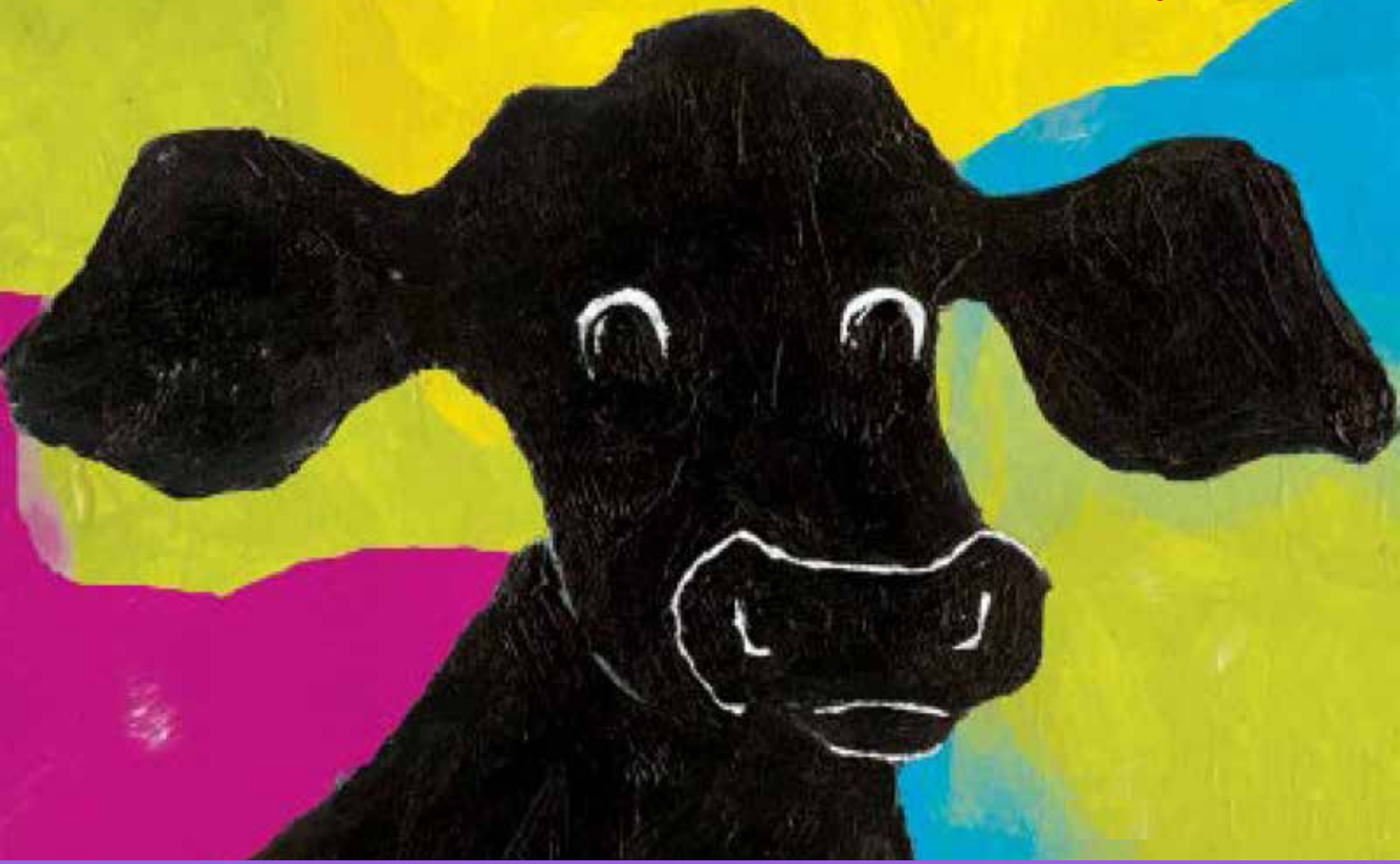

कथा की 300एम थिंकबुक

मेरी दादी माँ गोवा के एक छोटे से गाँव में पली -बढ़ी थीं।

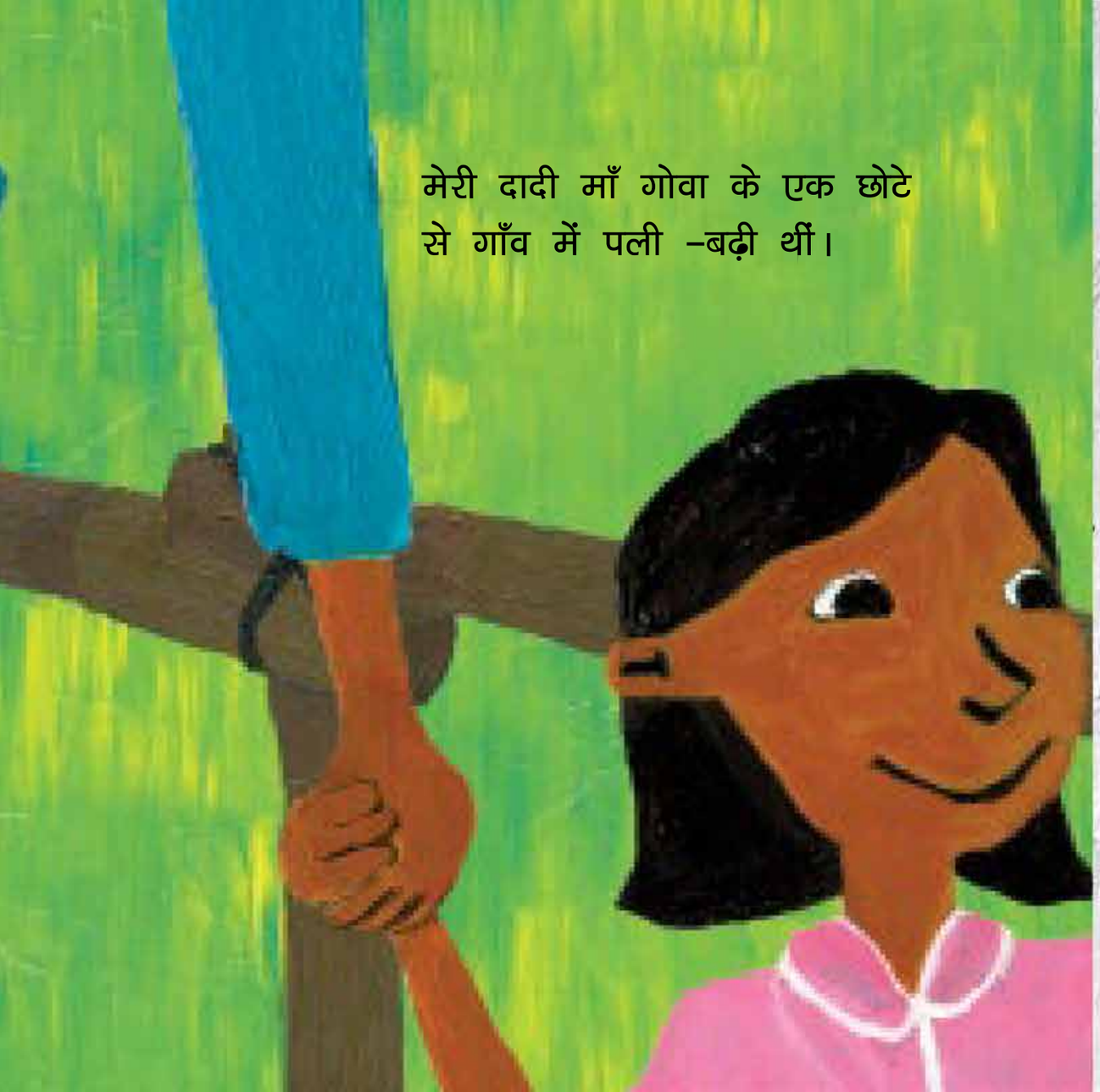

उनके पास गटीला नाम की एक काली गाय थी।

गटीला सबके साथ
बहुत खुश थी।

लेकिन उसे अपना रंग पसंद नहीं था।

एक दिन, उसने एक मेंढक देखा।
और कहा, “मुझे हरा रंग पसंद है।”

सोचो, गटीला ने क्या किया होगा?

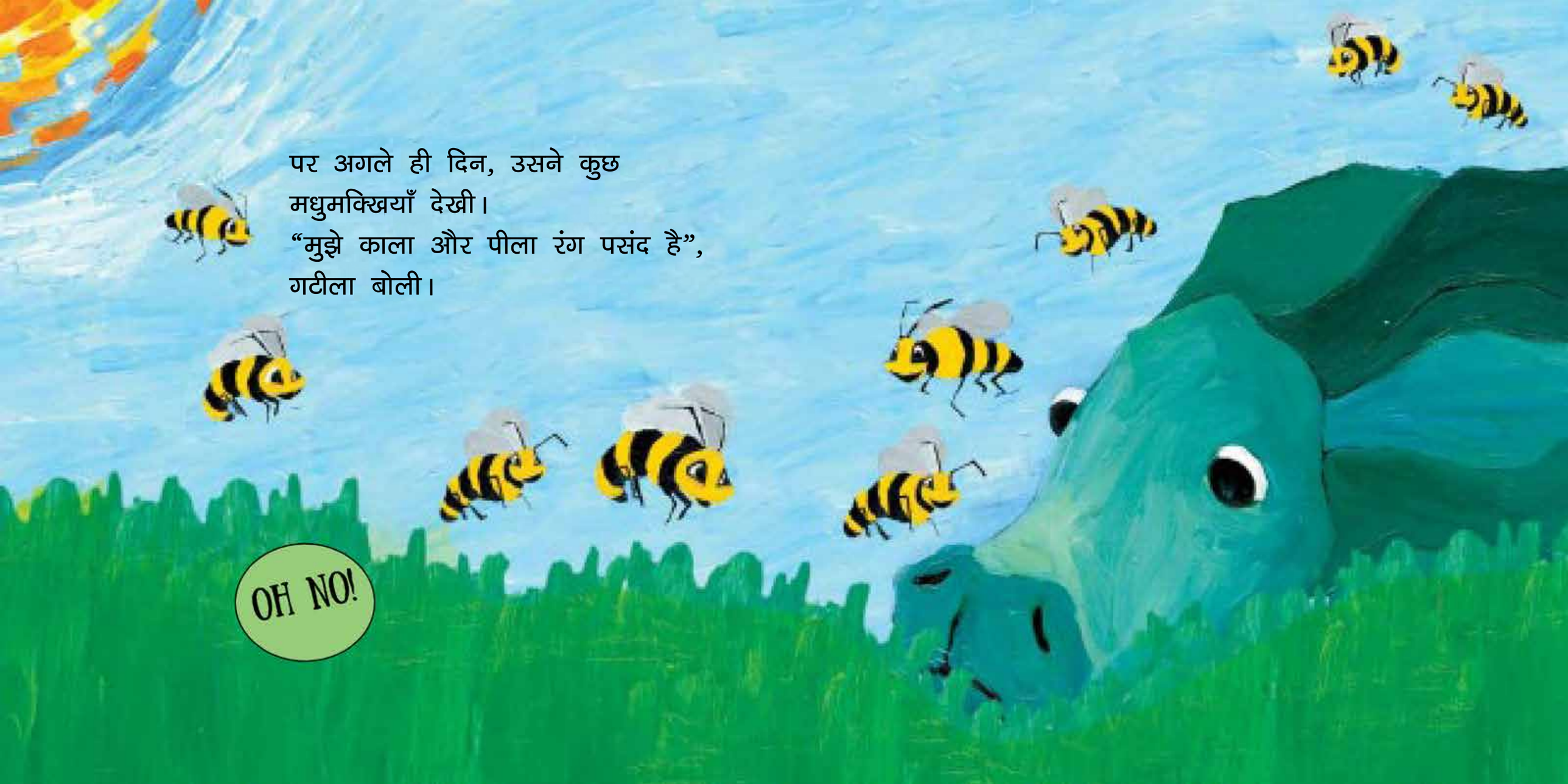
पर अगले ही दिन, उसने कुछ
मधुमक्खियाँ देखी।
“मुझे काला और पीला रंग पसंद है”,
गटीला बोली।
OH NO!

सोचो, गटीला ने क्या किया होगा?

अगले दिन, उसने कुछ सफेद
बगुले देखे।
“मुझे सफेद रंग पसंद है,”
गटीला बोली।

सोचो, गटीला ने क्या किया होगा?

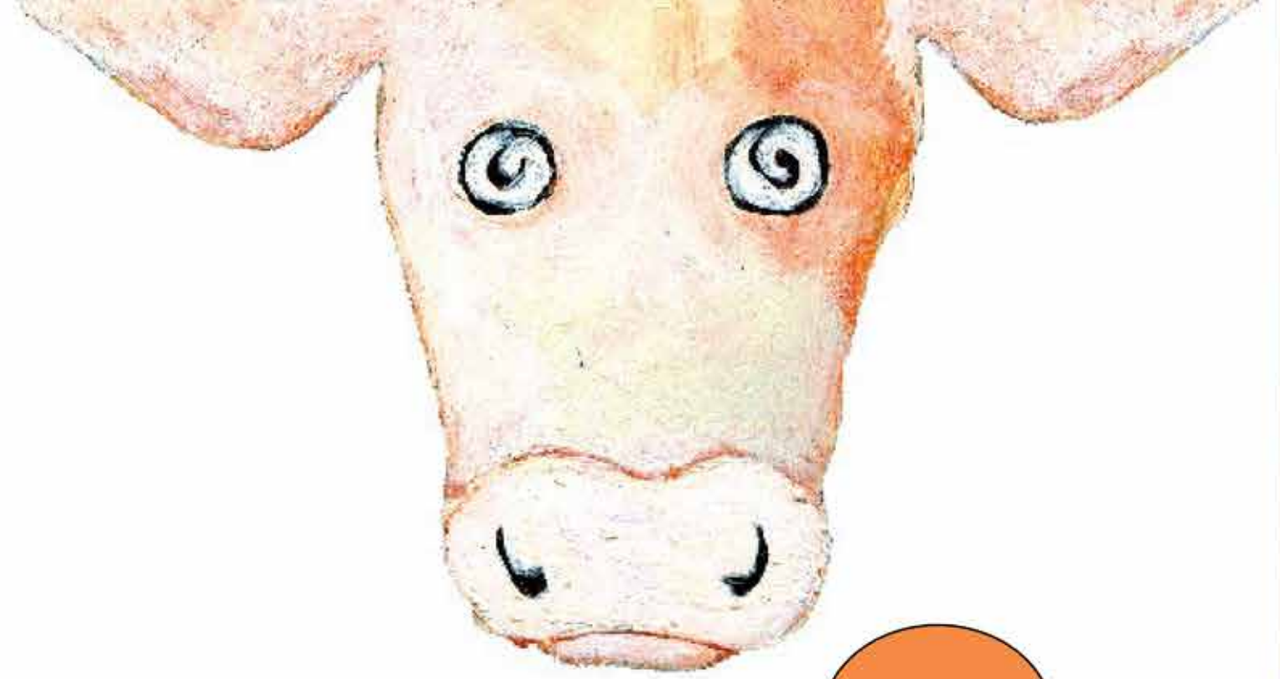

पर गटीला ज्यादा दिनों तक सफेद नहीं रह सकी।

वह बहुत –बहुत दुरूखी हुई।

पर उस दोपहर, बरसात आई।

गटीला ने खुद को देखा।

“मैं तो प्यारी हूँ!” गटीला बोली।

काला रंग तो कितना सुन्दर है!

और सोचो, उसने क्या देखा?

गीता धर्मराजन ने 1988 में बच्चों की लोकप्रिय पत्रिका, तमाशा!, से कथा की शुरुआत की। शिक्षा के क्षेत्र में विशेश रुचि और उनके अनूठे नेतृत्व ने जन्म दिया एक विशिष्ट कहानी प्रशिक्षण शैली को। उनका कहना है कि कहानियों के माध्यम से हम विभिन्नता से परिपूर्ण हमारे देश को एक जुट कर सकते हैं। वे द पैनसिलवेनिया गैज़ेट की संपादक रह चुकी हैं जो कि युनिवर्सिटी ऑफ़ पैनसिलवेनिया की पत्रिका है। बच्चों की पत्रिका टार्गेट के लिए भी उन्होंने अनेकों कहानियाँ लिखीं। उनके नाम से 31 किताबें और 400 से ज़्यादा लेख प्रकाशित हुए हैं।

लीसा डाएस नोरोन्हा और उनकी बेटी अन्जोरा नोरोन्हा गोवा में एक पक्षीशाला के समीप रहते हैं। वह दोनों अक्सर अपनी खिड़की से बाहर विभिन्न प्रकार के पक्षियों को घूमते, रेंगते, उड़ते देखती हैं। और उन्हे बच्चों की कहानियों में परिवर्तित करने के बारे में सोचती हैं।

कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर–लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

"भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!" – **नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ**

"कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।" – **पेपरटाइगर्स**

"कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।" – **टाइम आउट**

"कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।"

– **चार्ल्स लैंड्री,** *द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग*

गीता धर्मराजन के इस संस्करण का यह छोटा संस्करण मूल कहानी से है,
लिसा और अंजोरा नोरोन्हा, द्वारा गतीला कथा द्वारा प्रकाशित, 2012।

पहला हिंदी संस्करण 2021
कृति स्वामित्व © कथा, 2012, 2021
लेखन कृति स्वामित्व © गीता धर्मराजन
चित्राँकन कृति स्वामित्व © लिसा और अंजोरा नोरोन्हा
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्यः हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रूचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एन्क्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017
दूरभाषः 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998
इ–मेलः marketing@katha-org
वेबसाइटः www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।
कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग – अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है।

यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर – लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए 300m@katha-org पर जाएँ।

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं

आनंद और समझने के लिए पढ़ो

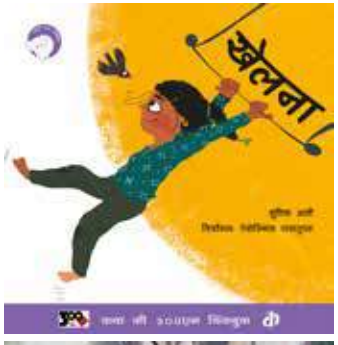

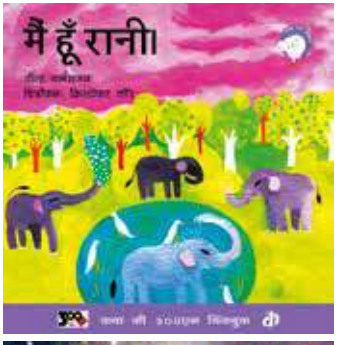

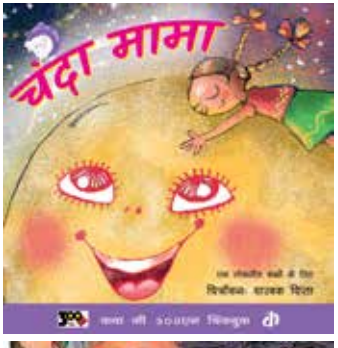

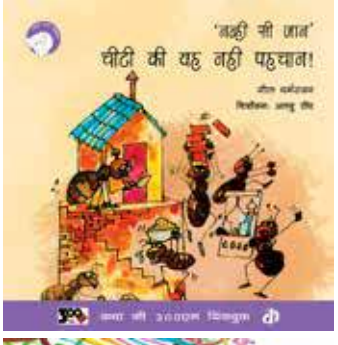

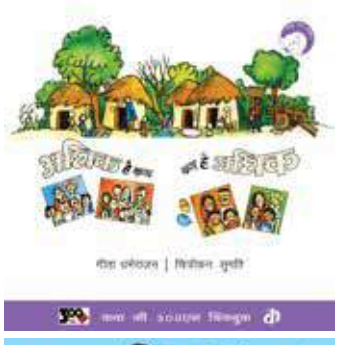

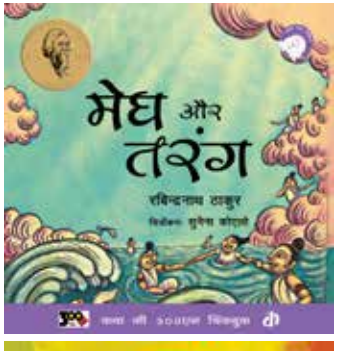

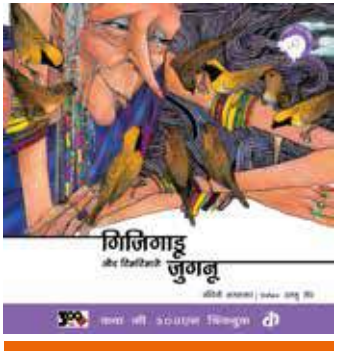

इसकी इंडिगो श्रृंखला में

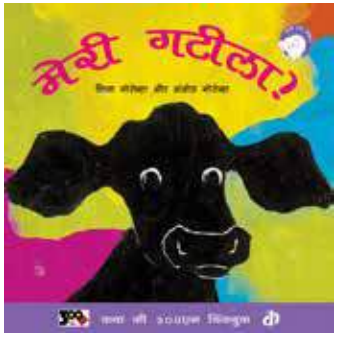

FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"India's multicultural identity through the stories."

— The Pioneer

for children
ISBN 978-93-88284-81-3
a katha book
www.katha.org
₹ xxx